



भारत सरकार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
कृषि सलाहकार इकाई, प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली-03

वर्ष 32, संख्या: - 41/2026-33/ शुक्रवार

समय: 03:00 PM

दिनांक: 09.06.2026

दिल्ली के लिए मौसम की चेतावनी

09 जून: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के दौरान सतही पवन की निरंतर गति 20-30 किमी प्रति घंटा रहने तथा समय-समय पर झोंकों के साथ 40 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने की संभावना है। अपराह्न/सायंकाल के समय गरज वाले बादलों के विकसित होने की संभावना है।

10 जून: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के दौरान सतही पवन की निरंतर गति 20-30 किमी प्रति घंटा रहने तथा समय-समय पर झोंकों के साथ 40 किमी प्रति घंटा तक पहुँचने की संभावना है। अपराह्न/सायंकाल के समय गरज वाले बादलों के विकसित होने की संभावना है।

11 जून: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सायं/रात्रि के समय गरज-चमक के साथ बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने तथा 50-60 किमी प्रति घंटा की गति से तेज हवाएँ चलने, जिनके झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकते हैं, की संभावना है।

12 जून: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। प्रातः/पूर्वाह्न के समय गरज-चमक के साथ बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज हवाएँ चलने, जिनके झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकते हैं, की संभावना है। इसके अतिरिक्त, अपराह्न/सायंकाल के समय गरज-चमक के साथ बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने तथा 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से तेज हवाएँ चलने, जिनके झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकते हैं, की संभावना है।

13 जून: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अपराह्न/सायंकाल के समय गरज वाले बादलों के विकसित होने की संभावना है।

दिल्ली के लिए विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (14-20 जून 2026)

मौसम विभाग	वर्षा	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
दिल्ली	सामान्य से अधिक	सामान्य	सामान्य

कृषि मौसम सलाह

- वर्तमान मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को धान की नर्सरी तैयारी करने की सलाह है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई करने हेतु लगभग 800-1000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पौधे तैयार करना पर्याप्त होता है। नर्सरी के क्षेत्र को 1.25 से 1.5 मीटर चौड़ा तथा सुविधानुसार लंबी क्यारियों में बाँटें। पौधशाला में बुवाई से पूर्व बीजोपचार के लिए 5.0 किलोवाट बीज के लिए बाविस्टिन 10-12 ग्राम और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन को 10 लीटर पानी में घोल लें। आवश्यकतानुसार इस घोल को बनाकर इसमें 12-15 घंटे के लिए बीजों को डाल दें। उसके बाद बीज को बाहर निकालकर किसी छायादार स्थान में 24-36 घंटे के लिए ढककर रखें और पानी का हल्का-हल्का छिड़काव करते रहें। बीज में अंकुर निकलने के बाद पौधशाला में छिड़क दें। अधिक उपज देने वाली किस्में:- पूसा बासमती 1985, पूसा बासमती 1979, पूसा बासमती 1692, पूसा बासमती 1509, पूसा बासमती 1885, पूसा बासमती 1847, पूसा बासमती 1637, पूसा 44, पूसा 1718, पूसा सुगंध 5, पूसा सुगंध 4 (पूसा 1121), पंत धान 4, पंत धान 10।

- अरहर की बुवाई का समय शुरू कर सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिए बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का ध्यान रखें। बीज किसी प्रमाणित स्रोत से ही खरीदें। अच्छे अंकुरण के लिए खेत में पर्याप्त नमी होनी आवश्यक है। किसानों से यह आग्रह है कि बीजों को बोने से पहले अरहर के लिए उपयुक्त राइजोबियम तथा फास्फोरस को घुलनशील बनाने वाले जीवाणुओं (पीएसबी) कल्चर के टीके से उपचार करें। इससे अरहर की फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है। उपयुक्त किस्में:- पूसा अरहर-16, पूसा 2001, पूसा 2002, पूसा 991, पूसा 992, परास तथा मानक।
- मूंग एवं उड़द की फसल की बुवाई हेतु किसान उन्नत बीजों की बुवाई करें। अच्छे अंकुरण के लिए बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का ध्यान रखें। मूंग:- पूसा-1431, पूसा-1641, पूसा विशाल, पूसा-5931, एस एम एल-668, सम्राट; उड़द:- टाइप-9, टी-31, टी-39 आदि की बुवाई करें। बुवाई से पूर्व बीजों को फसल विशेष राइजोबियम तथा फास्फोरस सोल्यूबिलाइजिंग बैक्टीरिया से अवश्य उपचार करें। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।
- यह समय अगेती फूलगोभी, टमाटर, हरी मिर्च और बैंगन की पौधशाला बनाने के लिए उपयुक्त है, अतः किसान यह प्रयास करें कि कीट अवरोधी नाइलोन की जाली का प्रयोग करें ताकि रोग फैलाने वाले कीटों से फसल को बचा सकें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40% छायादार नेट द्वारा 6.5 फीट की ऊँचाई पर ढक सकते हैं। बीजों को थायरम @ 2-2.5 ग्रा./कि.ग्रा. की दर से उपचार के बाद पौधशाला में बुवाई करें।
- भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद यूरिया @ 5-10 किलो प्रति एकड़ की दर से डालें तथा उसके उपरांत सिंचाई करें। साथ ही तापमान को ध्यान में रखते हुए माइट, जैसिड और हॉपर की निरंतर निगरानी करते रहें।
- तापमान को देखते हुए, किसान तैयार सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम को करें तथा इसके बाद इसे छायादार स्थान में रखें।
- इस मौसम में किसान अपनी मिट्टी की जाँच किसी प्रमाणित स्रोत से करवाकर उचित पोषक तत्व भूमि में मिलाएँ और जहाँ संभव हो अपने खेत को समतल करवाएँ।

दिल्ली में चार दिनों की बारिश का सारांश (05-08 जून, 2026)

उप मंडल के साथ	05-06-2026	06-06-2026	07-06-2026	08-06-2026
दिल्ली	कुछ स्थानों पर	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	शुष्क मौसम

आईएसओएल: 1 या 2 स्थानों पर अलग-थलग यानी बारिश
एफडब्ल्यूएस: कई जगहों पर काफी व्यापक यानी बारिश
डब्ल्यूएस: ज्यादातर जगहों पर बारिश

एससीटी: कुछ स्थानों पर छिटपुट यानी बारिश
सूखा: कोई बारिश नहीं

अगले 5 दिनों के लिए बारिश का पूर्वानुमान

उप मंडल के साथ	09-06-2026	10-06-2026	11-06-2026	12-06-2026	13-06-2026
उत्तरी दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
उत्तर-पूर्वी दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
उत्तर-पश्चिम दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
पश्चिम दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
दक्षिण दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
दक्षिण-पश्चिम दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
दक्षिण-पूर्वी दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
नई दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम

सेंट्रल दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
पूर्वी दिल्ली	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम
शाहदरा	कुछ स्थानों पर	शुष्क मौसम	कुछ स्थानों पर	कहीं कहीं पर	शुष्क मौसम

आईएसओएल: एक या दो स्थानों पर बारिश
एफडब्ल्यूएस: कई जगहों पर काफी व्यापक यानी बारिश
डब्ल्यूएस: ज्यादातर जगहों पर बारिश

एससीटी: कुछ स्थानों पर
सूखा: कोई बारिश नहीं

आईसीएआर, नई दिल्ली से एकत्र की गई फसल के चरण

जिले	टमाटर, फूलगोभी और बैंगन	फ्रेंच बीन, लोबिया, भिंडी, ग्रीष्मकालीन मूली, लौकी, खीरा आदि
उत्तरी दिल्ली	फूल आना, फल लगना, रोपाई	बुवाई, वानस्पतिक
उत्तर-पूर्वी दिल्ली		
उत्तर-पश्चिम दिल्ली	फूल आना, फल लगना, रोपाई	बुवाई, वानस्पतिक
पश्चिम दिल्ली		
दक्षिण दिल्ली		
दक्षिण-पश्चिम दिल्ली	फूल आना, फल लगना, रोपाई	बुवाई, वानस्पतिक
दक्षिण-पूर्वी दिल्ली		
नई दिल्ली		
सेंट्रल दिल्ली	फूल आना, फल लगना, रोपाई	बुवाई, वानस्पतिक
पूर्वी दिल्ली		
शाहदरा		

Br: शाखा निकलना, CC: फसल की कटाई, SF: चौकोर आकार बनना, V: वानस्पतिक वृद्धि, T: कल्ले निकलना, F: फूल आना, PF: फली बनना, Pe: खूंटी निकलना, SE: तने का लंबा होना, PI: बाली निकलना, GF: दाना भरना,
FP: खेत की तैयारी, S: बुवाई, Fu: फल आना, P: तुड़ाई, CRI: क्राउन जड़ निकलना, TP: रोपाई

कृषि-सलाहकार समिति के विषय विशेषज्ञों से प्राप्त सलाह के आधार पर परामर्श:

- किसानों को धान की नर्सरी तैयार करने की सलाह दी जाती है। एक हेक्टेयर धान की फसल के लिए 800-1000 वर्ग मीटर नर्सरी पर्याप्त होती है। नर्सरी में बीज बुवाई से पूर्व बीजों का उपचार कैप्टान @ 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य करें।
- अधिक उपज देने वाली धान की किस्में: पूसा बासमती-1509, पूसा बासमती-1985, पूसा बासमती-1979, पूसा बासमती-1692, पूसा बासमती-1885, पूसा बासमती-1847, पूसा-44, पूसा बासमती-1718, पूसा बासमती-1637, पूसा सुगंधा-5, पूसा सुगंधा-4 (पूसा-1121), पंत धान-4 तथा पंत धान-10। बीज प्रमाणित संस्थाओं से ही क्रय करें।
- किसानों को इस सप्ताह अरहर (तूर) की बुवाई करने की सलाह दी जाती है। बीजों के उत्तम अंकुरण हेतु खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें। अच्छी गुणवत्ता वाले बीज प्रमाणित स्रोतों से प्राप्त करें।
- अरहर की बुवाई से पूर्व बीजों का फसल-विशिष्ट राइजोबियम कल्चर तथा फॉस्फेट घुलनशील जीवाणु (PSB) से उपचार करें। इससे फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। अनुशंसित किस्में: पूसा अरहर-16, पूसा-2001, पूसा-2002, पूसा-991, पूसा-992, परास तथा मानक।
- किसानों को मूंग एवं उड़द की बुवाई प्रारम्भ करने की सलाह दी जाती है। बीजों के बेहतर अंकुरण हेतु खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- मूंग की अनुशंसित किस्में: पूसा-1431, पूसा-1641, पूसा विशाल, पूसा-5931, एसएमएल-668 तथा सम्राट।
- उड़द की अनुशंसित किस्में: टाइप-9, टी-31 तथा टी-39।
- • मूंग एवं उड़द के बीजों का भी फसल-विशिष्ट राइजोबियम कल्चर एवं फॉस्फोरस घुलनशील जीवाणु (PSB) से उपचार करने की सलाह दी जाती है। बुवाई से पूर्व खेत में पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें ताकि अंकुरण अच्छा हो सके।
- • किसानों को अगेती फूलगोभी, टमाटर, मिर्च तथा बैंगन की नर्सरी तैयार करने की सलाह दी जाती है। स्वस्थ पौध तैयार करने तथा वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिए शेड नेट का उपयोग करें।
- • नर्सरी को तेज धूप से बचाने के लिए लगभग 6.5 फीट ऊँचाई पर जाल (नेट) लगाकर ढकें। बीजों की बुवाई से पूर्व उनका उपचार थायरम @ 2.0-2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें।
- • भिंडी की परिपक्व फलियों की तुड़ाई के बाद यूरिया @ 5-10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें तथा इसके बाद हल्की सिंचाई करें।
- • भिंडी की फसल में माइट, जैसिड तथा हॉपर कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करते रहें।
- • तापमान के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए परिपक्व सब्जियों की तुड़ाई प्रातःकाल अथवा सायंकाल में करें तथा उन्हें छायादार स्थान पर रखें।
- • वर्तमान मौसम परिस्थितियों में जब खेतों में कार्य अपेक्षाकृत कम हैं, किसानों को प्रमाणित संस्थाओं से मृदा परीक्षण कराने तथा आवश्यकता के अनुसार भूमि में पोषक तत्वों का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली द्वारा जिला स्तरीय मौसम चेतावनी

Day 1 (09-06-2026)



Day 2 (10-06-2026)



Day 3 (11-06-2026)



Day 4 (12-06-2026)






Day 5 (13-06-2026)



legends

Heavy Rain	Dust Storm	Fog
Heavy Snow	Strong Surface Winds	NO WARNING
Thunderstorms & Lightning	Heat Wave	WATCH (BE UPDATED)
Hailstorm	Cold wave	ALERT (BE PREPARED)
		WARNING (TAKE ACTION)

अगले पांच दिनों के लिए दिल्ली-एनसीआर के लिए पूर्वानुमान

	संभावित	संभावित	संभावित	संभावित	संभावित
गाजिया बाद	आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के दौरान सतही हवाओं की गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक रहेगी, कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दोपहर/शाम के समय हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली और तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं।	आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतह पर हवा की गति 20-30 किमी प्रति घंटा रहेगी और दिन के दौरान कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं। दोपहर/शाम के दौरान गरज यासे बादल विकसित होने की संभावना है।	आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय हल्की से हल्की बारिश के साथ मेघगर्जन/ बिजली चमकने के साथ ही तेज हवा चलेंगी जिसकी गति 50-60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं।	आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह/पूर्वाह्न के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ मेघगर्जन/ बिजली चमकने के साथ ही तेज हवा चलेंगी जिसकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। एक अन्य दौर में अपराह्न/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ मेघगर्जन/ बिजली चमकने के साथ ही तेज हवा चलेंगी जिसकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं।	आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अपराह्न/शाम के दौरान गरज वाले बादल विकसित होने की संभावना है।
					
	संभावित	संभावित	संभावित	संभावित	संभावित

कुहासा	दृश्यता कम से कम 1000 मीटर लेकिन 5000 मीटर से ज़्यादा नहीं और सापेक्षिक आर्द्रता (RH) 75% से ज़्यादा होनी चाहिए।
धुंध	दृश्यता 5000 मीटर या उससे कम और सापेक्षिक आर्द्रता (RH) 75% से कम।

रंग कोड
कोई चेतावनी नहीं
जागरूक रहें
कार्रवाई करने के लिए तैयार रहें
सबसे अधिक सतर्क रहें / कार्रवाई करें

कृषि सलाहकार इकाई, प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली तथा कृषि भौतिकी संभाग, पूसा, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से जारी ई-मेल :

1. उपमहानिदेशक (कृषि)पुणे।
2. कृषि एवं गृह एकक आकाशवाणी कमरा न° 610 फैक्स न° 23710106
3. कृषिदर्शन मण्डी हाऊस कमरा न° 801 फैक्स न° 23097571